ANNUAL REPORT

YEAR 2022-23

Lok Astha Sewa Sansthan

Darrapara(keshodar),Post-Nahargaon,Tahsil+District- Gariyaband [C.G.] 493889

Mo.No.-09425252939, 08319540843, 09425252880,

Eail: lok.astha@gmail.com

Visit us: www.lokastha.org

संस्था का संशिप्त परिचय :-

इस संस्था का निर्माण स्थानीय युवा साथियों द्वारा जो सामाजिक विचारधारा से जुड़े उन साथियों द्वारा लोक आस्था सेवा संस्थान का सन 2005 में निर्माण किया गया | जिसका रजिस्ट्रेशन 10 अक्टूबर 2006 को छ.ग. सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1973 (सन 1973 का क्र. 44) के अधिन पंजीकृत स्वेच्छिक संगठन है | यह संस्था एक गैर लाभकारी, गैर राजनीति, व गैर धार्मिक प्रकृति की संस्था है | जो समाज में बदलाव लाने की दिशा में अपने स्वप्न व उद्देश्य के साथ इस वर्ष महिला सशक्तिकरण व बालकल्याण के मुद्दे के अंतर्गत - बच्चो के सभी अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए समुदाय की समझ विकसित करना वी प्रेरित करना, महिलायों की प्रत्येक कार्य में निर्णय भूमिका में लाने हेतु समझ विकसित करना, पंचायतराज सशक्तिकरण -ग्रामसभा को सशक्त बनाने के लिए समझ विकसित करना, भोजन पर अधिकार, शिक्षा व स्वाश्थ्य के अधिकार पर जागरूकता के अंतर्गत - शिक्षा के अधिकार कानून की क्रियान्वयन की मजबूतीकरण के समुदाय की भागीदारी व विभाग के साथ संवाद तथा समाज में व्याप्त कुरूतियो को दूर करते हुए जेंडर समानता की दिशा में कार्य करना, महिला एवं बच्चो के स्वाश्थ्य, रोजगार गारंटी अधिनियम पर जागरूकता, व अन्य शासकीय योजनायो के बारे में जागरूकता करना व अन्य सामाजिक मुद्दे को लेकर कार्य कर रहे है |

स्वप्न :-

एक ऐसे सभ्य समाज की स्थापना करना जो शोसन मुक्त, समता मूलक, सामाजिक न्याय आधारित हो जिसमे जाति, रंग, भाषा, संस्कृति व लिंग भेद आधारित ना हो, जहाँ पर प्रत्येक व्यक्ति स्वतन्त्र रूप से समान अधिकार व सम्मान पूर्वक जीवन बसर कर सके तथा प्रत्येक व्यक्ति का संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों की रक्षा हो |

उद्देश्य :-

1. समाज के कमजोर वंचित व पिछड़े वर्गों के जीवन स्तर में बदलाव लाने हेतु शिक्षा, स्वाश्थ्य, कृषि, रोजगार, कृषि, रोजगार व आय उपार्जन के विभिन्न कर्योक्रमो को प्रोत्साहित करना |
2. सर्वांगीन महिला विकास व बाल कल्याण के जनशिक्षा
3. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्धन हेतु लोगो को जागरूक करना |
4. राष्ट्रीय सामाजिक विकास योजनायो एवं जनकल्याण कार्यक्रमों को लोगो के अनुकूल बनाने में सहयोग प्रदान करना |
5. आंचलिक संसाधनों पर आधारित कुटीर उद्यमता विकास से स्वावलंबन की खोज एवं प्रशिक्षण

लोक आस्था सेवा संस्थान का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण छ. ग. राज्य है जो निम्नांकित क्षेत्र में कार्यरत है , आदिम जनजाति, आदिवासी, दलित व अंतिम पिछड़े वर्ग के साथ कार्य कर रही है | गरियाबंद जिला के सम्पूर्ण क्षेत्र में कार्यरत है |

वर्ष 2022-23 में संस्था द्वारा किये गए गतिविधि एवं उपलब्धियां

महिला सशक्तिकरण पर गतिविधिया

लोक आस्था सेवा संस्थान को महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर कई वर्षो से कार्य करते हो गया है और इस मुद्दे पर कार्य करने हेतु अमेरिकर्स इंडिया फाउन्डेशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड भी प्राप्त है | कार्य करते हुए कई अनुभव भी प्राप्त हुए है और इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए , महिलायों पर हो रहे हिंसा में कमी लाने के लिए विभाग के साथ मिलकर कई वर्षो से कार्य किया गया और अब महिलाये विभाग तक भी पहुँच बनाना शुरू कर दिए है , लेकिन जागरूकता और महिलायों में नेत्रित्व निकालने से भी कही न कही यह महसूस किया गया की महिलायों के नाम पर संपत्ति में नाम होने से हिंसा में कमी आएगी साथ में निर्णय क्षमता में भी बढ़ोतरी हो सकती है , इसी सोंच को लेकर कार्य को गति दिया गया -------

साथ में यह भी देखा गया कि महिलायों का संगठन जो संगवारी महिला मंच है उसे कैसे मजबूत की जाये जिससे वे एक टिकायु बन सके और वे अपने मन सम्मान व विभिन्न योजनायो के बारे में जानकर आगे बढ़ सके जिससे लिए उन्हें प्रशिक्षण/ कार्यशाला के माध्यम से समझ बनाने का कार्य प्रयासरत है |

महिला व भूमि पर जागरूकता अभियान -

इस पुरुष प्रधान समाज में भूमि को हमेशा से पुरुषो की नजरिये से देखते है और हक़ अधिकार के लिए भी नाम पुरुषो का ही रहता है | सर्वे से भी स्पस्ट रूप से निकल कर आया है , इसी नजरिये में बदलाव की दृष्टीकोण से समाज की सोंच में बदलाव लाने के लिए दिनांक 21 से 27 अप्रैल 22 तक गाँव गाँव जाकर जागरूकता अभियान का कार्यक्रम किया गया जिससे जो सोंच बनी हुयी है उसमे बदलाव आ सके | महिला हमेशा से भूमि /जमीन से रिश्ता रखता है और उनके साथ आत्मीय रूप से जुडाव रहता है लेकिन नाम उनके नहीं है , नाम ज्यादातर पुरुषो का ही रहता है | इसी पुरुषप्रधान समाज की सोंच में बदलाव लाने का प्रयास किया गया |

महिला भूमि अधिकार के कांसेप्ट क्लियार्टी पर कार्यशाला -

महिला सशक्तिकरण अंतर्गत देखा गया की महिलायों को भूमि से बहुत दूर रखा जाता है , भूमि का महिलायों के साथ ज्यादा सम्बन्ध है फिर भी इस पुरुष प्रधान समाज में भूमि को पुरुषो की दृष्टीकोण से ही देखा जाता है | इस पर महिला मुख्या को दिनांक 25 फरवरी 23 को

भूमि अधिकार के लिए समझ विकसित किया गया | महिलायों के नाम पर भूमि स्वमित्य नहीं होने के क्या दुस्परिणाम होते है उस पर भी फोकस किया गया | भूमि को लेकर सामाजिक नजरिया क्या है ? भूमि और महिलायों का क्या सम्बन्ध है ? इन सभी विषयों पर समझ विक्सित किया गया |

भूमि अधिकार के दावा के लिए सम्बंधित दस्तावेज के लिए कार्यशाला -

दिनांक 16 व 22 दिसम्बर 22 को स्थान हाटमहुआ, कोठीगाँव में भूमि एक संपती के रूप में देखा जाता है , और यह स्थायी संपत्ति होती है | इसके अधिकार प्राप्त करने के लिए क्या क्या आवश्यक दस्तावेज की जरुरत होगी इस पर विस्तार से जानकारी दिया गया , जिससे महिलायों को अपने नाम से स्वामित्व प्राप्त हो सके |

FRC सदस्यों का कार्यशाला -

ग्राम स्तर पर बनाये गए **FRC** का सूचि निकाला गया और जहाँ कमिया थी उसे दुरुस्त किया गया और समिति में महिलायों को भी शामिल कराया गया और उन समितियों के साथ कार्यशाला अओजन कर उन्हें महिलायों के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया जिससे महिलायों के पक्ष में भूमि अधिकार सुनिश्चित हो | क्योकि ज्यादातर जब भूमि की बात होती है तो घर परिवार में पुरुष ही अपना नाम आगे कर सभी अधिकार अपने नाम पर ही करना चाहते है , और कहा जाता है पुरुष के नामा पर है तो महिला का ही है , लेकिन जब उसी शब्दों को उल्टा रखकर कहा जाये की यदि महिला के नाम पर भूमि है तो वह पुरुषो का ही है तो यह थोड़ा अनपचक होता है | इसी सोंच को बदलाव की दिशा में **FRC** को भी मजबूत करने के प्रयास से समझ विकसित किया गया |

PRI सदस्यों के साथ बैठक -

हमारा गरियाबंद जिला के तीन ब्लाक आदिवासी अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आती है जिसमे से दो आदिवासी क्षेत्र छुरा एवं गरियाबंद में संस्थान सघन रूप से कार्य कर रही है जिसमे पेसा कानून भी लागु ही , यहाँ पर ग्रामसभा का अधिक महत्त्व होता है | इस भूमि रिश्ता को लेकर **PRI** सदस्यों को भी संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से उनके साथ बार बार बैठक कर कैसे महिला व भूमि के साथ रिश्ता को कायम रखा जा सकता है जिससे महिला एवं पुरुष में कनफ्लिक्ट पैदा न हो , उसके लिए **PRI** सदस्यों का समझ विकसित किया है |

महिलायों की भूमि के रिश्ता के बारे में समझ विकसित करने का प्रयास किया गया इसमें खासकर गरियाबंद के भुंजिया बाहुल्य गाँव में ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ा , क्योकि इस क्षेत्र के महिलायों के द्वारा कभी जिला स्तर पर अपनी समस्यायों के बारे में नहीं आये थे जिस कारण से उन्हें बाहर निकालना ही एक चुनौती पूर्ण रहा है | इस समुदाय की

अलग ही रहन सहन , कई परम्परा से जुड़े हुए है , उन सभी बातो को ध्यान रखते हुए उन्हें आगे लाना चुनौती ही है | लेकिन कार्य से बहुत कुछ बदलाव दिखाई दे रहे है , वे अपने हक़ के लिए विभिन्न विभाग तक पहुँच बनाने , उन्हें कई योजनायो से लाभ प्राप्त हुआ , वह अपने हक़ के लिए बोलने लगे है , उनकी हौसला बुलंद होने लगा है | उन्हें अपनी जमीन के बारे में पता चला है , इससे पुरुष प्रधान भी संवेदनशील के साथ महिलायों को सपोर्ट कर रहे जिससे वे विभिन्न माध्यम से जो गलत सामाजिक कुरुतिया है उसे तोड़ने का प्रयास कर रहे है जिससे उनकी विकास हो और समाज में सामान रूप से सम्मान प्राप्त हो सके | 1351 महिलायों को जागरूक किया गया जिसमे से कुल 101 महिलायों ने भूमि अधिकार के लिए आवेदन किये

महिला मुखिया का एस्पोसर विजिट -

महिला मुखिया व स्टाफ का महिलायों की सशक्तिकरण पर तथा कैसे आत्मनिर्भर हो सके इस मुद्दे पर उस्मानाबाद में प्रकृति संस्था में जाकर महिलायों के द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे में समझ विकसित किये जिसे SMM में आकर , जो सीखे थे उसे फालो करने की प्लान भी आयोजित किये जिससे SMM भी आगे जाकर मुद्दे पर रेस के साथ व्यवश्थित तरीके से कार्य कर सके |

घरेलु महिला हिंसा में कमी लाने कार्य :-

विभाग के साथ कई वर्षो से संस्थान घरेलु हिंसा पर कमी लाने के लिए प्रयासरत है और 181 की बहुत ही प्रचार प्रसार भी किये है , विभाग के लिए संस्थान पोस्टर भी डिजाईन किये है जिसे सम्पूर्ण जिला में प्रचार प्रसार के लिए उपयोग किया जाता है | यदि हम 2014 की बात करे तो जिला में 0 केसेस था लेकिन अब प्रचार प्रसार के असर से वर्ष में 120 केसेस से अधिक केसेस आते है अब संस्थान के पास ना आकर डायरेक्ट सखी सेंटर में केसेस आते है | पूर्व में संस्थान के पास ही केसेस आते थे जिसे सखी में रिफर किया करते थे ,लेकिन अब सीधे सखी ही ज्यादातर रिफर किया जाता है | कुल केसेस की जानकारी जो सीधे संस्थान में रजिस्टर हुए और केसेस को हल व सखी में रिफर किया गया |

Total cases		Total cases resolved through 1 to 3 time counselling	Total cases referred to Sakhi centre	Total cases converted into DIR	Total cases FIR Registered
Registered	Resolved				
23	11	23	7	1	4

संगवारी महिला मंच सम्मेलन :-

गरियाबंद के वनविभाग के आक्सन हाल में दिनांक 3 मार्च 2023 को अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगवारी महिला मंच सम्मेलन का आयोजन किया किया जिसमे जिला से 458 प्रतिभागियों ने भाग लिया |

इस कार्यक्रम में जिला सत्र न्यायालय गरियाबंद से जज महोदया ने सभी महिलायों को आगे आने हेतु आह्वान किया और कहा कि केवल महिला दिवस मनाने मात्र से अधिकार नहीं मिलेगा इसके लिए सभी महिलायों को एक साथ होकर अधिकार के लिए आगे आना होगा |शिक्षा के क्षेत्र में आगे आना होगा , महिलाये आज हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है ,आप लोगो को भी साथ मिलकर चलना होगा | इस कार्यक्रम में जज महोदया के साथ उपस्थित सभी अतिधियो के द्वारा संस्थान के द्वारा बनाये गए पोस्टर का लांचिंग भी किया गया | कार्यक्रम में किशोर न्याय बोर्ड , सखी वन स्टाफ सेंटर, जिला महिला संरक्षण अधिकारी ने भाग लेकर महिलायों को उद्बोधन दिए | इस कार्यक्रम में महिलायों ने खेल उत्सव भी किये विजेता महिला को इनाम से प्रोत्साहित भी किया गया | गाँव गाँव से आये हुए महिलायों की समस्या के बारे में मंच की महिला प्रतिनिधि के द्वारा कलेक्टर गरियाबंद को ज्ञापन भी दिए |

महिला मुखियाओ का नेत्रित्व क्षमता विकास प्रशिक्षण - महिलायों में विभिन्न योजनायों को लेकर क्षमता विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे कुल 74 महिलायों को अलग अलग बेच में अलग अलग विषय पर प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया | जिससे वे अपने गाँव स्तर पर अन्य महिलायों की पेंशन, राशन, मनरेगा व अन्य शासकीय योजनायो से सम्बंधित मुद्दे पर सहयोग प्रदान कर सके |

लैंगिक समानता पर क्षमता विकास प्रशिक्षण -

समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता पर दिनांक 22 -23 फरवरी 23 को स्थान भूतेश्वरनाथ गरियाबंद में क्षमता विकास कार्यक्रम रखा गया जिसमे समाज में कैसे लैंगिक समानता लाने हेतु प्रयास किया जा सकता है इस पर फोकस करते हुए क्षमता निर्माण किया गया | इस पुरुष प्रधान समाज की नजरिये को बदलने की जरुरत है जिसमे अहम् भूमिका किशोरी एवं महिलायों की है , इस असमानता में समाज में कई प्रकार के रुढ़िवादी भी व्याप्त है जिससे महिलायों को जकड़ने का भी प्रयास किया जाता है , इन्ही सभी बिंदु पर 22 महिलायों का समझ विकसित किया गया | जिससे महिलायों के द्वारा अपने परिवार समाज में समानता लाने के लिए कार्य किये जा रहे है |

स्कुल /कालेज में सेसन -

स्कुल एवं कालेज यूथ के लिए वह पड़ाव है जिसमे वह सीखते है और उन्ही दिशा में अग्रसर होते भी है , समझ नहीं होने से विभिन्न दिशा में चले जाते है | इस उम्र के यूथ का सोंच हमेशा खोजने के प्रक्रिया में भी होते है | 10 स्कुल /कालेज में कुल 742 बच्चो तक पहुँच बनाया गया जिसमे पोस्को एक्ट, बाल विवाह कानून, सायबर अपराध, महिला घरेलु हिंसा कानून, बाल अधिकार के बारे में प्रोजेक्टर से फिल्म व अन्य पोस्टर पाम्पलेट के माध्यम से समझ बनाया गया और समाज में बदलाव की दिशा में प्रेरित किया गया जिससे नये समाज की निर्माण हो सके |

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Baloda Bazar - 04 Feb 2023 - 04balb3
epaper.navabharat.news

विद्यार्थियों को बच्चों से संबंधित कानून की दी जानकारी

गरियाबंद। लोक आस्था सेवा संस्थान गरियाबंद द्वारा पीएचएफ के सहयोग से संस्था प्रमुख हेमनारायण मानिकपुरी एवं डायरेक्टर लता नेताम के मार्गदर्शन में शासकीय कचना धुरवा कॉलेज छुरा के छात्र छात्राओं को कोऑर्डिनेटर तुलेश्वर साहू ने बच्चों से संबंधित कानून के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष कम से उम्र के किसी बच्चे के साथ यौन अपराध हुआ है या करने का प्रयास किया गया तो पॉक्सो कानून के अंतर्गत आते हैं। यह कानून बच्चों को लैंगिक हमले, बलात्कार, छेड़छाड़, पोनोग्राफी और अश्लील चित्र व साहित्य के इस्तेमाल जैसे अपराध से सुरक्षा प्रदान करता है। शादी का सीजन आने से जिले में बाल विवाह होने की आशंका होती है। जिसके लिए हमें सजग रहना है अगर कोई बाल विवाह करता है तो इसकी जानकारी चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर दे सकते हैं। कानून के अनुसार लड़की का विवाह के लिए सही उम्र 18 वर्ष से अधिक व लड़के की उम्र 21 वर्ष से अधिक होना चाहिए। अगर इससे कम उम्र में विवाह होता है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। अगर कोई इस तरह का कृत्य करता है तो 1 लाख जुर्माना तथा 2 साल का सजा या दोनो से दंडित किया जा सकता है। समाज में महिला पुरुष में समानता लाने के लिए जेंडर जैसे विषय पर चर्चा की गई। यूनिसेफ से राहुल कश्यप ने छात्राओं को महावारी स्वच्छता प्रबंधन से संबंधित वीडियो दिखाकर जागरूक किया। इसी तरह गरियाबंद एवं छुरा के कॉलेज एवं हाई व हायर सेकेण्डरी सकूल में जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रोफेसर डॉ विनीत साहू व स्टॉफ तथा छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

महिलायों को आजीविका से जोड़ना :-

महिलायों को बिहान योजना से जोड़कर आजीविका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है | और ग्रामीण आजीविका मिशन में जुड़े महिलायों के साथ भी बैठक कर महिलायों के नाम पर जमीन के लिए प्रेरित की जा रही है जिससे महिलायों की आजीविका सुनिश्चित हो सके | खेती एक आजीविका का अच्छा संसाधन है , महिलायों को मोटे अनाज कोदो की खेती करने की ओर अग्रसर किया गया है | इस खेती को और बढ़ाने के लिए महिलायों को प्रेरित

किया जा रहा है | राज्य शासन भी अब इसे समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए घोषित किया गया है तो इसकी मार्केटिग की भी अब कोई दिक्कत नहीं है | यह चावल एक शुगर पेशेंट के लिए भी फायदेमंद होते है | महिलायों को इस आजीविका के माध्यम से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है |

SMM सदस्यों के द्वारा आजीविका कार्य -

ग्रामीण स्तर पर SMM की महिलायों के द्वारा वनोपज खरीदी के लिए प्रेरित किया गया जिसमे लघुवनोपज की खरीदी किया गया और उसकी बिक्री विभाग को किया गया | इसके साथ ही कई समूह मसाला निर्माण कर बिक्री कर लाभानिवित हो रहे है | -

लोक आस्था सेवा संस्थान विशेष समुदाय भुंजिया जनजाति के साथ भी कार्य कर रही है , इस जनजाति की अलग संस्कृति, रीतिरिवाज , परम्पराए है | इस समाज की बच्चो की जन्म ले लेकर विवाह और मृत्यु तक अलग तरह से रिवाजे होती है | कम उम्र में ही बच्चो का तीर -कमान के साथ कांडा विवाह कर दिया जाता है तभी मुख्य विवाह होती है , विवाह के बाद बाह्य खाद्य पदार्थ को खाने से वर्जित हो जाती है | महिलाये बाहर भी ज्यादा नहीं जाते है | इस जनजाति का रसोई घर को लाल बंगला के नाम से जाना जाता है , यहाँ पर अन्य समुदाय के लोगो को जाना वर्जित है यदि कोई धोखे से चले भी जाये तो उन्हें जलाकर दुसरे लाल बंगला का निर्माण करते है | इस जनजाति की कहानी बहुत ही रोचक भी है ,लेकिन इसके साथ ही विकास योजनायो से वंचित भी है , छत्तीसगढ़ राज्य में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल 10603 है जो कि गरियाबंद जिले में है इसके उत्थान के लिए संस्थान प्रयासरत है | इस्नके साथ कार्य करना बहुत ही संवेदनशील होकर कार्य करने की जरुरत है क्योकि हम उनकी संस्कृति, रीती रिवाज को ध्यान रखकर कार्य करनी होती है |

जातिपंचायत सदस्यों का प्रशिक्षण -

इस समुदाय में जतिपंचायत प्रमुख रूप से होता है जिसके माध्यम से बदलाव की अपेक्षा की जा सकती है , इसके लिए जाति समाज प्रमुखों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया जिसमे इसके जातिपंचायत की दांचा के बारे में समझने का प्रयास किया गया और जातिपंचायत में महिलायों की भूमिका के बारे में भी जानने का कोशिस किया गया | पुरुषप्रधानता सभी जगह व्याप्त है तो इस समाज की निर्णायक में भी देखने को मिला लेकिन प्रशिक्षण के दौरान आये हुए प्रमुखों के साथ सोंच में बदलाव लाने का प्रयास किया और जातिपंचायत में भी महिलायों की भूमिका होने के लिए प्रेरित किया गया | इस प्रशिक्षण में प्रमुखों ने एक सहमती भी बनायीं |

भुंजिया समाज के पंचायत सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

समवेत शिखर संवाददाता

गरियाबंद। लोक आस्था सेवा संस्थान गरियाबंद के द्वारा पीएचएफ के सहयोग से भूतेश्वरनाथ धाम में भुंजिया समाज के जाति पंचायत सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण रखा गया।

कार्यक्रम की शुरुवात सभी के परिचय के साथ किया गया जिसके बाद संस्था प्रमुख हेमनारायण मानिकपुरी ने उपस्थित मुखियाओं से सामाजिक ढांचा के बारे में जानकारी लिया जिसमे वर्तमान में महिलाओं की भागीदारी नहीं है।जिस पर कहा गया की समाज की उत्थान के लिए महिला एवं पुरुष दोनों की समान भागीदारी होनी चाहिए।समाज महिला व पुरुष से मिलकर बना है और हर समाज ने महिलाओं की अलग अलग भूमिका निर्धारित किया है।सामाजिक दृष्टिकोण से देखे तो समाज में महिलाओं को अभी भी समान अधिकार नहीं मिला है,महिलाओं को भी अवसर मिलना चाहिए जिसके लिए हमे काम करना होगा।सरकार द्वारा पिछड़ी जनजाति के बच्चो की पढ़ाई के लिए बहुत से योजना बनाया है लेकिन सामाजिक बंधन वा उचित माहौल नहीं मिलने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे है।हमे वर्तमान परिस्थिति के आधार पर चलना चाहिए पुरानी सोच को बदलना होगा केवल चपरासी, बाबू तक सीमित नहीं रहना है, कलेक्टर, एसपी सीईओ, डॉक्टर जैसे बड़े पदो में जाने के लिए प्रयास करना चाहिए जिसके लिए समाज को आगे आना होगा। उपस्थित मुखिया द्वारा सामाजिक बैठक में पहल करने का निर्णय लिया। इस प्रशिक्षण में छुरा एवं गरियाबंद के भुंजिया समाज प्रमुख दशरथ, गणेश, चंपेश्यम, धनेश, भावसिंग, रैमन बाई, गैनी बाई शामिल हुए।

महिलायों एवं किशोरियों का स्पोर्ट उत्सव कार्यक्रम -

महिलायों एवं किशोरियों का स्पोर्ट उत्सव कार्यक्रम तिलईदादर व हाटमहुआ में रखा गया |

हाटमहुआ गरियाबंद जिला के भुंजिया बाहुल्य गाँव है जहाँ पर भुजिया समुदाय में विभिन्न प्रकार के रुढ़िवादी, परम्पराए से महिलायों एवं किशोरियों के लिए रुकवाटे भी है , इस पुरुष प्रधान समाज में महिलायों के लिए कई प्रकार के अडचने भी लाये गए है | इस कार्यक्रम का

मुख्य उद्देश्य महिलायों एवं किशोरियों को खेल के माध्यम से बाहर निकालना है | इस कार्यक्रम के तहत महिलायों का कबड्डी खेल व पुरुषो के लिए मटका दौड़ मुख्य रहा इसके साथ साथ और भी खेल का आयोजन किया गया | कबड्डी खेल को हमेशा से पुरुषों का खेल या मर्दानगी का खेल से जोड़ा गया है | यह उत्सव खासकर भुंजिया महिलायों के साथ करना बड़ा ही चुनौती पूर्ण रहा है , उन्हें खेल के लिए तैयार करना, मैदान में खेल करवाना और बिना ब्लाउज के महिलायों का खेल करना ही एक बदलाव की दिशा में एक अच्छा पहल रहा है , इस खेल के माध्यम से कई परम्पराए को भी तोड़े है जो सदियों से चले आ रहे थे | गणेशी बाई भुंजिया का कहना है कि आजादी के बाद पहली बार इस गाँव में कोई इस प्रकार का उत्सव हुआ है , सभी महिला पुरुष इस उत्सव में आनंद लिए |

बच्चो के अधिकार पर कार्य

चाईल्ड लाईन 1098 :-

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार का चाईल्ड लाईन इण्डिया फाउन्डेशन के सहयोग से गरियाबंद जिला में चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 का संचालन किया जा रहा है | इन निःशुल्क काल 1098 का जिला में ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करना तथा जरूरतमंद बच्चो की देखरेख व सरंक्षण हेतु कार्य करना , 1098 से तथा आउटरिच के माध्यम से प्राप्त केसेस में इन्टरवेंसन कर बच्चो को सुरक्षा प्रदान करना | इसके लिए विभिन्न कार्यक्रम करना - जागरूकता अभियान, ओपनहाउस कार्यक्रम, आईसीपीएस ,पुलिस, व अन्य विभाग के साथ समन्वय के माध्यम से कार्य किया जा रहा है

इस वर्ष 1098 व आउटरिच के माध्यम से **560** केसेस रजिस्टर्ड हुआ जिस पर तत्काल चाईल्ड लाईन टीम ने विभाग के साथ मिलकर केसेस को निराकरण करने के लिए मदद किये, केसेस को बाल सरंक्षण समिति में प्रस्तुत किया गया और निर्णयानुसार मदद किया गया | पिचले वर्ष की तुलना में समुदाय में 1098 के बारे में ज्यादा जागरूकता बढ़ी है जिससे बच्चो के मुद्दे पर 21% अधिक बढ़ा है | जिससे आउटरिच के केसेस में कमी आई है |

आउटरिच कार्यक्रम -

टीम के द्वारा प्रतिदिन 1098 का प्रचार प्रसार के लिए जिले के विभिन्न गाँव में पहुच बनाया गया और जरूरतमंद बच्चो की चिन्हांकन कर उसे सुविधा प्रदान किया गया तथा साथ में समुदाय, बच्चो व विभिन्न स्टेकहोल्डर के साथ मिलकर बच्चो के मुद्दे पर संवेदनशील बनाने

का कार्य किया गया | इस आउटरिच के माध्यम से जिला के 5 ब्लाक तक पहुँच बनाया गया जिसमे कुल **37785** लोगो तक पहुच बना और कुल **560** केसेस सामने आये |

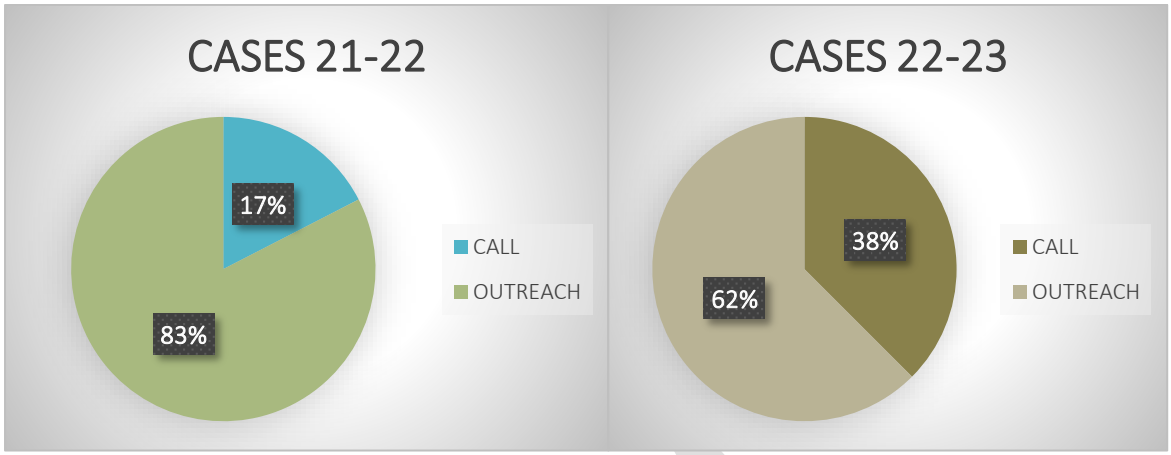

चाईल्ड लाईन परियोजना के अंतर्गत संस्थान के द्वारा सम्पूर्ण जिला में बच्चो के अधिकार को लेकर कार्य किया गया जिसमे जरुरत मंद बच्चो को मदत पहुंचाने के उद्देश्य से सहयोग प्रदान किया जिमसे बाल मजदुर के केसेस , बाल विवाह, ***ESG*** ,शिक्षा , पोक्सो व अन्य केसेस में पिछले वर्ष की अपेक्षा ज्यादा निकल कर आये और उसमे सहयोग प्रदान किया गया | इस वर्ष जिस बच्चे की माता या पिता या फिर दोनों नहीं होने से , ऐसे बच्चो की शिक्षा को लेकर स्पांसरशिप योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 4000 रुपये बच्चे को प्रदान की जाती है , ऐसे 90 बच्चो को चिन्हांकित कर योजना से जोड़ने हेतु सहयोग प्रदान किया गया जिससे बच्चो की पढाई प्रभावित ना हो और योजना का लाभ प्राप्त हो सके | 90 में से 54 बच्चो को प्रतिमाह राशी की प्राप्ति हो रहे है |

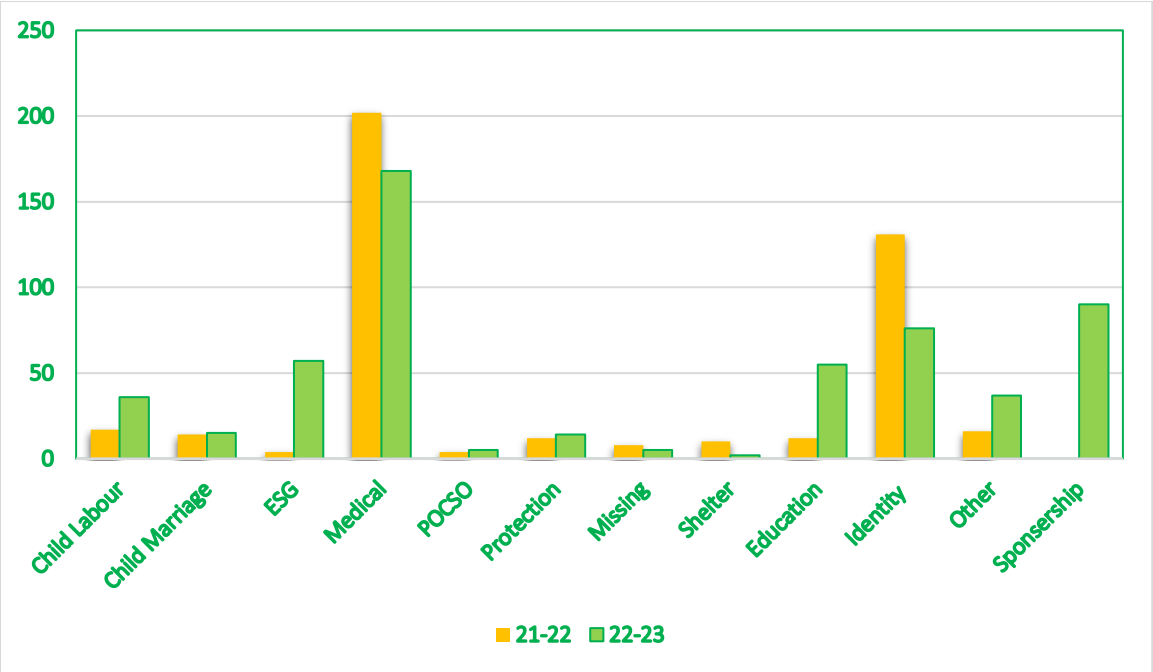

चाईल्ड लाईन 1098 से दोस्ती कार्यक्रम -

प्रत्येक वर्ष की भांति 14 नवम्बर से 18 नवम्बर 22 तक बाल दिवस के अंतर्गत चाईल्ड लाईन से दोस्ती अभियान चलाया गया जिसमे विभिन्न कार्यक्रम किया गया | इस अभियान के तहत चाईल्ड लाईन से दोस्ती हेतु विभागीय स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमे हस्ताक्षर कर बाल अधिकार के मुद्दे पर साथ होने के लिए सहमती व्यक्त किये तथा हाथो में दोस्ती बैंड बच्चो के द्वारा बांधा गया | इस अभियान के तहत बच्चो के लिए शिक्षा विभाग के साथ आनंद मेला का आयोजन एक स्कुल में किया गया | विभाग के साथ मिलकर जिला के सभी पांच ब्लाक के 7 स्कुल में बच्चो के साथ विभिन्न कार्यक्रम किया गया |

पर्यटन स्थल पर 1098 का प्रचार प्रसार :- चाईल्ड लाईन गरियाबंद के द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग गरियाबंद के साथ मिलकर बच्चो की सुरक्षा व बच्चो पर होने वाली घटनायो में कमी लाने के उद्देश्य पर्यटन स्थल - राजिम मेला में इंस्टाल लगाया गया और पोस्टर पाम्पलेट बेनर के माध्यम से 1098 के प्रचार प्रसार किया गया | इस मेला में पुरे 15 दिन रहकर जिला गरियाबंद के महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ महिलायों एवं बच्चो पर हो रहे कार्यो के बारे में जागरूकता बढ़ाया गया | जिससे जिला में बाल विवाह में रोक हो, बाल मजदूर ना हो, पोक्सो की घटना ना हो, तथा अन्य योजनायो को लाभ प्राप्त हो सके | इस स्थल से कुल 1525 लोगो तक पहुँच बना |

राजिम मेला में विभाग के साथ 1098 का प्रचार प्रसार

शिक्षा से सम्बंधित केसेस पर बच्चो की मदत :-

जिला के जरुरतमंद बच्चे है जो किसी कारणवश उसे स्कुल में प्रवेश हेतु दिक्कत था जैसे उन्हें स्कुल में भर्ती होने के लिए राशी नहीं, ड्रापआउट होने वाले बच्चे, पुस्तक खरीदने में दिक्कत के कारण पढाई छोड़ देना, अन्य स्कुल में ट्रांसफ़र होने पर भर्ती नहीं लेना , और अन्य किसी भी कारण से पढाई छोड़ देना | कई ऐसे बच्चे जो उनकी माता उन्हें अपने कामो में ले जाते थे उन्हें पढाई करने में असमर्थ थी क्योकि उनकी ऐसे परिवार को समझाईस दिया गया और इस प्रकार के 55 जरुरत मंद बच्चो को तत्काल जानकरी प्राप्त होने पर सहयोग प्रदान किया गया , जो वर्तमान में स्कुल में दाखिल होकर पढाई कर रहे है |

बच्चो के लिए खुलामंच कार्यक्रम -

यह बच्चो के लिए बहुत ही खुला हुआ रहता है , कार्यक्रम करने के पूर्व उस गाँव में जाकर बच्चो के साथ विभिन्न गतिविधि की जाती है जिससे बच्चे के साथ दोस्ती हो सके और बच्चे भी फ्रीडम महसूस कर सके उसके बाद ही कार्यक्रम आयोजित की जाती है | इसमें स्कुल में या अन्य सुविधाजनक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित होती है जिसमे स्कुल टीचर, पालक, स्टेकहोल्डर, बच्चे, माता पिता शामिल होते है | कार्यक्रम में बच्चो का विभिन्न गतिविधि होते जैसे पेंटिंग, रंगोली, नृत्य, खेल , इस प्रकार इस कार्यक्रम को बच्चो के अनुरूप मनोरंजक बनाया जाता है और बच्चो से उनकी विचार जानने का भी प्रयास किया जाता है जिससे केसेस प्राप्त हो सके | इस प्रकार कुल 11 खुला मंच कार्यक्रम किया गया जिससे 21 केसेस प्राप्त हुआ |

हरिभूमि

रायपुर - रत्न भूमि
24 July 2022

दरीपारा स्कूल में चाइल्ड लाइन का खुला मंच, सुरक्षा संबंधी कानून की दी जानकारी

बालश्रम, बाल विवाह जैसी कुरातियों को दूर करने समाज आगे आए

सायबर अपराध के बारे में जागरूकता -

वर्तमान में बच्चे किसी न किसी तरह से मोबाईल से जुड़ जाते है और माता पिता को इतना पता भी नहीं होता है कि बच्चा मोबिईल में क्या कर रहे है | जिस कारण से बच्चे गेम खेलने

लगते है और वह धीरे धीरे गेम की नसे में चले जाते है , माता पिता को भी सायबर अपराध के बारे में जानकारी नहीं से भी वे बच्चे को कुछ नहीं कर पाते है | छोटे छोटे समूह में , ग्राम स्तर पर बैठक के माध्यम से इसके बारे में जागरूकता लाया जा रहा है जिससे बच्चे इस सायबर अपराध में न फंसे | सभी अभिभावक को सतर्क होने की जरुरत है यदि बच्चो के मोबाईल के बारे में पता नहीं लगायेंगे तो वे आनलाईन गेमिंग के जरिये फंसते जाते है और कई सोशल मिडिया के माध्यम से भी विभिन्न तरह के ठगी भी होने की सम्भावना बढ़ जाती है | इसलिए समाज में बच्चो को सायबर अपराध से दूर रहने के लिए जागरूकता लाने की जरुरत है और अन्य लोगो को भी जागरूक करने की जरुरत है , इसके लिए समाज में जागरूक करने का प्रयास किया गया |

हरिभूमि

रायपुर - रत्न भूमि
1 Aug 2022

हेल्प लाइन 1098 में दे सकते हैं सूचना

बच्चों व महिलाओं को साइबर अपराध के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोपरा/गरियाबंद

अतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा चाइल्ड लाइन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से लोक आस्था सेवा संस्थान में संचालित चाइल्ड लाइन परियोजना के डॉयरेक्टर सुश्री लता नेताम के मार्गदर्शन में टीम द्वारा ग्राम जोबा में स्कूली बच्चों एवं ग्राम केराबहरा में महिला समूह को साइबर अपराध बारे में जानकारी दिया गया। परियोजना समन्वयक तुलेश्वर साहू ने बच्चो को व्हाट्सएप एवं फेसबुक सुरक्षा के बारे में बताया कि अपनी निजी जानकारी मोबाइल नंबर, जन्मदिथि, आधार नंबर, बैंक खाता, पिन एवं पासवर्ड को किसी अनजान व्यक्ति को शेयर नहीं करना है । ऐसे अनजान व्यक्ति का फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट नहीं करना है। ऑनलाइन गेम के माध्यम से बच्चों को दूर रहना चाहिए, अगर अनजान व्यक्ति द्वारा गलत एसएमएस वीडियो या अन्य प्रलोभन देता है तो उसके विरुद्ध संबंधित थाना में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बच्चो से संबंधित कोई भी समस्या होने पर चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 में सूचना दे सकते है। टीम के द्वारा बच्चों एवं शिक्षक के साथ मिलकर रैली के माध्यम से समुदाय को जागरूक करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में शाल स्टाफ उर्मिला साहू, खिलेश्वरी साहू, चंपा देवदास, चमेली साहू गोपाल कृष्ण सिन्हा एवं चाइल्ड लाइन स्टाफ उपस्थित थे।

बच्चो के पोषण और शिक्षा पर कार्यक्रम -

गरियाबाद ब्लाक के कमार एवं भुंजिया बाहुल्य गाँव तेंदुबाय तथा टेवारी में 1 से 5 वर्षो तक के 90 बच्चो की पोषण एवं शिक्षा में बदलाव के लिए ग्रामीण सहयोग से बच्चो को प्रतिदिन

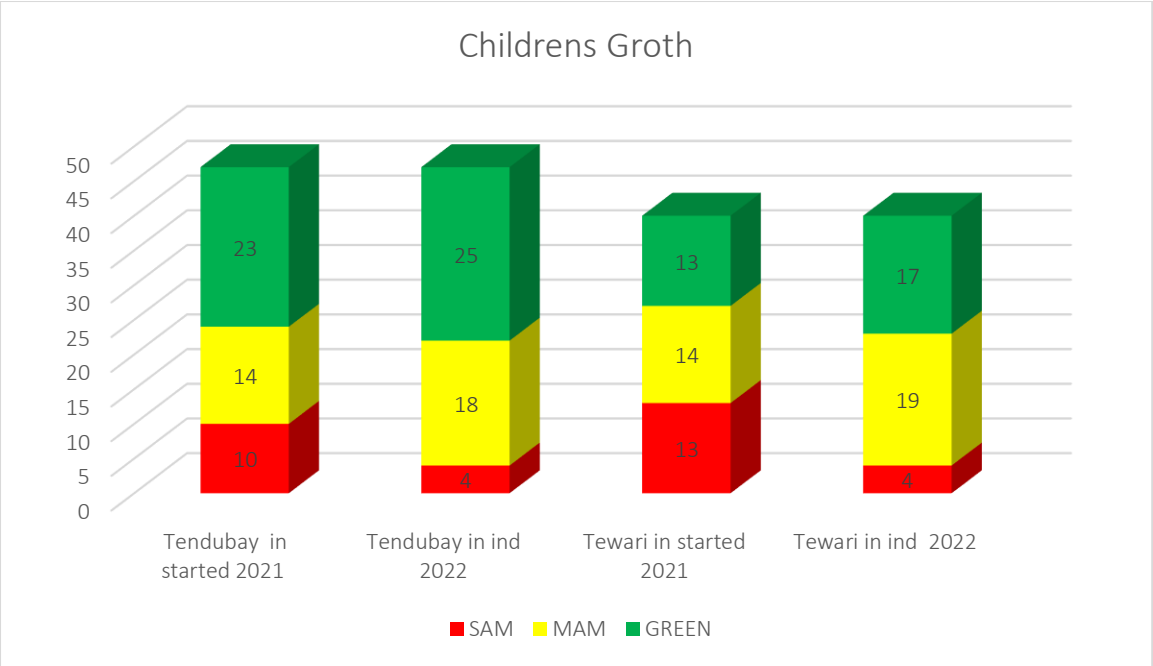

मिल्क प्रदान किया गया | शुरुवात में परेशानी हुआ क्योकि बच्चो को कभी अलग से दूध की आदत नहीं था तो पहले कम दूध से शुरुवात किया गया और बाद में धीरे धीरे मात्र को बढाया गया इसके साथ अभिभावक का मीटिंग भी किया गया और उन्हें महत्त्व के बारे में बताया गया | कमार एवम भुंजिया जो की **PVTG (Primitive vulnerable tribe group)** के अंतर्गत आती है **|** यह आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता के साथ पोषण को दूर करने के उद्देश्य किया गया और जो प्राथमिक शिक्षा है उस पर फोकस किया गया | इसके प्रयोग से कुछ ही दिनों में बड़ा बदलाव देखने को मिला जो इस ग्राफ के माध्यम से भी देखा जा सकता है |

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Baloda Bazar - 06 Jun 2022 - 06balb4

www.navabharat.news 4

कस में मनाया गया पर्यावरण दिवस

गरियाबंद. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चाइल्ड लाईन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से लोक आस्था सेवा संस्थान गरियाबंद में चाइल्ड लाईन 1098 परियोजना संचालित है, जो 0 से 18 वर्ष के बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए काम करता है. चाइल्ड लाइन डायरेक्टर लता नेताम के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत कस में 5 जून अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया गया. शुरुआत में बच्चों एवं सरपंच रविंद्र ठाकुर के द्वारा पंचायत भवन के आंगन में पौधारोपण कर किया गया. बच्चों द्वारा पर्यावरण से संबंधित पेंटिंग बनाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया. चाइल्डलाइन टीम मेंबर बलिराम द्वारा पर्यावरण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई. चाइल्ड लाइन द्वारा पेंटिंग कार्यक्रम में शामिल बच्चों को सरपंच के कर कमलों से पेन वितरण प्रोत्साहित किया गया. इस कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन से पोखन, उगेश्वरी, नंद नायक, नंदनी साहू एवं ग्रामीणों का सहयोग रहा.

पर्याबरण पर जागरूकता कार्यक्रम - संस्थान के द्वारा वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर समाज में जलवायु परिवर्तन के लिए सन्देश देते आ रहे है और इस पर महिलायों को भी भूमि से जोड़कर उनकी संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है | खेती में मोटो अनाज को लगाने के लिए प्रेरित किया गया है जो कि यह जलवायु परिवर्तन की दृष्टीकोण से अछि फसल है और वह स्वास्थ्य के लिए भी फायदे मंद होता है | दूसरा यह कि पेंड़ -पौधे ही जलवायु को संतुलन बनाये रखते है क्योकि वर्तमान को देखे तो पुरे विश्व इस जलवायु परिवर्तन से जूझ रहा है | हमें अधिक से अधिक पेंड़ लगाने की जरुरत है | हमें रासायनिक खाद को छोड़कर जैविक खाद को बढ़ावा देना चाहिए जिससे स्वास्थ्य के साथ साथ प्रकृति की भी संतुलन बनी रहे , इसके लिए समाज में जागरूक किया गया और ग्राम स्तर पर पेंड़ लगाने का अभियान के लिए प्रेरित किया गया और 5 जून पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम में पेंड़ लगाकर शुरुवात किया गया |

कार्यकर्ता क्षमता विकास प्रशिक्षण

संस्थान के सभी स्टाफ का प्रतिमाह बैठक किया जाता है जिसमे अलग अलग मुद्दे पर क्षमता बढ़ाने के कार्य किया जाता है | जिसमे महिला अधिकार , भूमि अधिकार कानून, पाक्सो एक्ट, बाल अधिकार , सायबर अपराध, मनरेगा कानून, पेशा कानून, जेंडर समानता, आजीविका के मुद्दे , जलवायु परिवर्तन , सरकारी विकास योजनायो पर क्षमता बढ़ाया गया | इसके साथ ही माह में किये कार्यो की समीक्षा की जाती है और जो कार्यो में चुनौती आ रहे है उसे कैसे निपटा जाये उसके लिए रणनीतिक योजना बनाकर कार्य किया जाता है |

विभागीय इंटरफेस मीटिंग -

लोक आस्था सेवा संस्थान जिला स्तर पर विभिन्न कमिटी में शामिल है और विभिन्न कमेटी द्वारा होने वाली मीटिंग के माध्यम से विभाग के साथ मुद्दे पर चर्चा करना तथा ग्रामीण स्तर की समस्यायों को चिन्हांकित कर मुद्दे की निराकरण के लिए विभाग के साथ बातचीत करना और समस्यायों पर हल करवाना | इस मीटिंग के माध्यम से योजनायो को ग्रामीण स्तर तक पहुँच बनाना , समुदाय की डर ,झिझक को दूर करना और उन्हें लीडरशिप की मूमिका में लाना |

जिला स्तर पर बने विभिन्न कमेटियो में लोक आस्था सेवा संस्थान के साथियों को शामिल किया गया है

1. सखी वन स्टाफ सेंटर (महिला एवं बाल विकास विभाग गरियाबंद) की संचालन कमिटी जिला गरियाबंद - सदस्य
2. जिला पंचायत में वर्किंग ग्रुप में सदस्य - जिला पंचायत गरियाबंद
3. पूर्व अध्यक्ष - (लता नेताम -लोक आस्था सेवा संस्थान) जिला स्तरीय कार्य स्थल पर सेक्सुअल ह्रासमेंट कमिटी जिला गरियाबंद
4. पूर्व जेल निरिक्षण टीम , किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अंतर्गत जिला गरियाबंद
5. पूर्व जिला स्तरीय बाल मित्र कमिटी , जिला गरियाबंद

Audit Report

LOK ASTHA SEWA SANSTHAN, GARIYABAND (C.G)

BALANCE SHEET as on 31-03-2023

LIABILITIES		Rs	ASSETS	Rs
CORPUS FUND		39,000.00	**FIXED ASSETS**	
			LOCAL ACCOUNT	43,740.00
			FC A/C	44,713.00
GENERAL FUND				
Opening Balance	1,26,091.59		Project Receivable	7,37,061.00
Add:Excess of Income	3,34,156.71		Advance Salary	10,000.00
over Expenditure		4,60,248.30	TDS Receivable	15,000.00
F.C.ACCOUNT				
Opening Balance	2,83,510.36			
Add: Excess of Income			**Clossing Balance**	
over Expenditure	99,451.34	3,82,961.70	Cash & Bank Balance -FC	3,38,248.70
Project Paybal		7,37,061.00	Cash & Bank Balance -LC	4,30,508.30
TOTAL RUPEES		**16,19,271.00**	**TOTAL RUPEES**	**16,19,271.00**

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

FOR:LOK ASTHA SEWA SANSTHAN GARIYABAND

PRESIDENT

SECRETARY

PLACE: Gariyaband

DATE: 06-06-2023

FOR:JAIN M PRASAD & CO.

Chartered Accountants

(PRAKHAR JAIN)

Partner

M.No.441616

UDIN: 23441616BGWPBZ7537

LOK ASTHA SEWA SANSTHAN - PARAGAON , POST - MARODA , DIST. - GARIYABAND
CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT
For the Period 1 April 2022 to 31 March 2023

EXPENDITURE	Amount	INCOME	Amount
Expenditure- FC	23,60,365.66	Grant & Donation Received -FC	24,59,723.00
Expenditure- LC	14,91,934.47	Grant & Donation Received -LC	18,30,166.00
Depriciation	27,083.00	Bank Interest -FC	17,870.00
		Bank Interest-LC	5,232.18
Excess of Income Over Expenditure	4,33,608.05		
	43,12,991.18		**43,12,991.18**

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

FOR:LOK ASTHA SEWA SANSTHAN
GARIYABAND

PRESIDENT SECRETARY

LOK ASTHA SEWA SANSTHAN Reg.No.-10377 Darrapara, Gariyaband (C.G)

PLACE: GARIYABAND
DATE: 06-06-2023

FOR:JAIN M PRASAD & CO.
Chartered Accountants

Jain M. Prasad & Co. Raipur (C.G.) Chartered Accountants

(PRAKHAR JAIN)
Partner
M.No.441616
UDIN: 23441616BGWPBZ7537

LOK ASTHA SEWA SANSTHAN - PARAGAON , POST - MARODA , DIST. - GARIYABAND
CONSOLIDATED RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT
For the Period 1 April 2022 to 31 March 2023

Receipt	Amount	Payment	Amount
Opening Balance		Expenses Program& Admin - FC	23,95,365.66
Cash & Bank Balance -FC	2,56,021.36	Liabilities Payment	9,18,626.00
Cash & Bank Balance -LC	1,06,044.59		
Grant & Donation Received -FC	26,75,425.00	Expenses Progam & Admin- LC	7,82,873.47
Grant & Donation Received -LC	18,05,029.00	**Clossing Balance**	
Bank Interest -FC	17,870.00	Cash & Bank Balance -FC	3,38,248.70
Bank Interest-LC	5,232.18	Cash & Bank Balance -LC	4,30,508.30
	48,65,622.13		**48,65,622.13**

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE

FOR:LOK ASTHA SEWA SANSTHAN
GARIYABAND

PRESIDENT

SECRETARY

PLACE: GARIYABAND
DATE: 06-06-2023

FOR:JAIN M PRASAD & CO.
Chartered Accountants

(PRAKHAR JAIN)
Partner
M.No.441616
UDIN: 23441616BGWPBZ7537

President /Secretary

Lok Astha Sewa Sansthan